ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)-८४८१२५

बुलेटिन संख्या-६३
दिनांक-मंगलवार,२६ नवम्बर,२०१६

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः २६.४ एवं १३.१ डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता ८७ प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में ६० प्रतिशत, हवा की औसत गति ४.५ कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण ३.० मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन ५.० घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा ५ से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में १७.१ एवं दोपहर में २५.६ डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(२७ नवम्बर-१ दिसम्बर,२०१६)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा,समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी २७ नवम्बर-१ दिसम्बर,२०१६ तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः-

- पूर्वानुमान की अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में आसमान प्रायः साफ एवं मौसम के शुष्क रहने की संभावना है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान २६ से २७ डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान ११ से १३ डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है।
- औसतन ५ से १० कि०मी० प्रति घंटा की रफ्तार से मुख्यतः पछिया हवा तथा तराई के कुछ स्थानों में जैसे मधुबनी, सीतामढ़ी, शिवहर में पूरवा हवा चलने का अनुमान है। रात्री एवं सुबह में हल्के से मध्यम कुहासा छा सकता है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में ८० से ९० प्रतिशत तथा दोपहर में ५५ से ६० प्रतिशत रहने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- आलू की रोपाई प्राथमिकता दे कर पूरा करने का प्रयास करें। विगत माह में लगाये गये आलू के पौधों की उँचाई १५-२० से०मी० हो जाने पर आलू में निकौनी कर मिट्टी चढ़ाने का कार्य करें। आवश्यकतानुसार सिंचाई करे।
- राई की पिछेती किस्में राजेन्द्र अनुकूल, राजेन्द्र सुफलाम एवं राजेन्द्र राई पिछेती की बुआई इस माह के अन्त तक कर लें। राई की फसल जो २० से २५ दिनों की हो गयी है उसमें निकौनी तथा बछनी कर पौधे से पौधे की दुरी १२-१५ से०मी० रखें। आवश्यकतानुसार सिंचाई करें।
- अक्टुबर माह में बोयी गयी लहसुन की फसल से खर-पतवार की निकासी कर हल्की सिंचाई कम अवधि के अन्तराल में नियमित रुप से करें। फसल में कीट की निगरानी करें।
- विगत माह बोयी गई मटर, राजमा एवं सब्जियों वाली फसलें- बैगन, टमाटर, मिर्च, पत्तागोभी एवं फूलगोभी में निकाई गुराई तथा सिंचाई करें। चने, मटर और टमाटर की फसल में फली छेदक कीट निगरानी करें। कीट से बचाव हेतु फिरोमोन प्रपंश @ ३-४ प्रपंश प्रति एकड़ की दर से लगायें। यदि कीट अधिक हो तो बी.टी. नियमन का छिड़काव करे।
- सिंचित एवं समयकालीन गेहूँ की किस्मों की बुआई किसान भाई १० दिसम्बर तक अवश्य सम्पन्न कर लें। उत्तर बिहार के लिए सिंचित एवं समयकालीन गेहूँ की *पी०बी०डब्लू०-३४३, पी०बी०डब्लू०-४४३, सी०बी०डब्लू०-३८, डी०बी०डब्लू०-३९, एच०डी०-२७३३, एच०डी०-२९६७, एच०डी०-२८२४, के०-९१०७, के०-३०७, एच०यू०डब्लू०- २०६ एवं एच०यू०डब्लू०-४६८* किस्में अनुशंसित है। बीज को बुबाई से पहले बेबीस्टीन २.५ ग्राम की दर से प्रति किलोग्राम बीज को उपचारित करें। दीमक से बचाव के लिए क्लोरपायरिफॉस २० ई०सी० दवा का ८ मि०ली० प्रति किलोग्राम बीज की दर से अवश्य उपचारित करें। छिटकबाँ विधि से बुआई के लिए प्रति हेक्टेयर १२५ किलोग्राम तथा सीड ड्रील से पंक्ति में बुआई के लिए १०० किलोग्राम बीज का व्यवहार करें। बुआई पूर्व खेत में १५०-२०० क्विटल कम्पोस्ट, ६० किलोग्राम नेत्रजन, ६० किलोग्राम फॉसफोरस एवं ४० किलोग्राम पोटास प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करें।
- रबी मक्का की बुआई इस माह के अन्त तक समाप्त करें। इसके लिए संकर किस्में *शक्तिमान १ सफेद, शक्तिमान २ सफेद, शक्तिमान-३ पीला, शक्तिमान ४ पीला, शक्तिमान-५ पीला, गंगा ११ नारंगी पीला, राजेन्द्र संकर मक्का १, राजेन्द्र संकर मक्का २ एवं राजेन्द्र संकर मक्का दीप ज्वाला तथा संकुल किस्में- देवकी सफेद, लक्ष्मी सफेद एवं सुआन पीला* इस क्षेत्र के लिए अनुशंसित है। खेत की जुताई में १००-१५० क्विंटल कम्पोस्ट, ६० किलोग्राम नेत्रजन, ७५ किलोग्राम फास्फोरस एवं ५० किलोग्राम पोटाश प्रति हेक्टर की दर से व्यवहार करें। बीज दर २० किलोग्राम प्रति हेक्टेयर तथा दूरी ६० x २० से०मी० रखें।
- चना की बुआई के लिए उपयुक्त समय चल रहा है। किसान भाई १० दिसम्बर तक चना की बुआई अवश्य सम्पन्न कर लें। खेत की तैयारी के समय २० किलोग्राम नेत्रजन, ४५ किलोग्राम फॉसफोरस, २० किलोग्राम पोटास एवं २० किलोग्राम सल्फर प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करें। चना के लिए उन्नत किस्म *पूसा-२५६, के०पी०जी०-५६(उदय), के०डब्लू०आर० १०८, पंत जी १८६ एवं पूसा ३७२* अनुशंसित हैं। बीज को बेबीस्टीन २.५ ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करें। २४ घंटा बाद उपचारित बीज को कजरा पिल्लू से बचाव हेतु क्लोरपाईरीफॉस ८ मि०ली० प्रति किलोग्राम की दर से मिलावें। पुनः ४ से ५ घंटे छाया में रखने के बाद राईजोबीयम कल्चर (पॉच पैकेट प्रति हेक्टेयर) से उपचारित कर बुआई करें। छोटे दानों की किस्मों के लिए बीज दर ७५ से ८० किलोग्राम एवं बड़े दानों के लिए १०० किलोग्राम प्रति हेक्टेयर तथा दूरी ३० x १० से०मी० रखें।
- चारे के लिए जई तथा बरसीम की बुआई करें। जई के लिए ८० किलोग्राम बीज तथा बरसीम के लिए २० किलोग्राम बीज प्रति हेक्टेयर का व्यवहार करें।

आज का अधिकतम तापमानः २७.७ डिग्री सेल्सियस, सामान्य के बराबर	आज का न्यूनतम तापमानः १२.० डिग्री सेल्सियस, सामान्य से ०.५ डिग्री कम

(डॉ० ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी